भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 824

बुधवार, दिनांक 04 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि</u>

824. श्री वी. के. श्रीकंदनः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान 31.25 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की वृद्धि हुई है जोकि निर्धारित लक्ष्य से कम है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान केरल राज्य के लिए स्वीकृत रूफटॉप सौर प्रणालियों की कुल संख्या कितनी है;

(घ) क्या सौर ऊर्जा की अवधारणा वर्तमान में देश में इसलिए नहीं पनप रही है क्योंकि सौर मॉड्यूल की लागत बहुत अधिक है; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा सौर ऊर्जा प्रणाली के केंद्रबिंदु माने जाने वाले मॉड्यूल की लागत को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) जी, नहीं महोदय।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से 500 गीगावाट स्थापित विद्युत क्षमता प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रहा है। दिनांक 31.12.2025 की स्थिति के अनुसार, देश में कुल 258 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है।

चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-दिसंबर, 2025) के दौरान, कुल 37.9 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पहले ही जोड़ी जा चुकी है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) चालू वित्त वर्ष के दौरान, केरल राज्य में 1,05,280 रूफटॉप सौर प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जिससे दिनांक 30.01.2026 की स्थिति के अनुसार, 1,08,010 परिवारों को लाभ हुआ है।

(घ) एवं (ङ) जी, नहीं महोदय। वर्तमान में, आयातित सौर पीवी सेलों का उपयोग करके स्वेदशी स्तर पर निर्मित सौर पीवी मॉड्यूलों की लागत, मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) को ध्यान में रखने के बाद, आयातित सौर पीवी मॉड्यूल की लागत के लगभग बराबर या लगभग आसपास है। पिछले तीन वर्षों के दौरान सौर क्षमता में वृद्धि वर्ष 2023-24 में 15.03 गीगावाट, वर्ष 2024-25 में 23.83 गीगावाट और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में 30.16 गीगावाट रही है।

*****